समझाया, कैसे निपटें आपदा से

पांच दिवसीय सेमीनार शुरू, निगम अधिकारियों ने सीखे आपदा से निपटने के तरीके

भास्कर न्यूज | शिमला

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली की ओर से नगर निगम शिमला के तत्वावधान में बचत भवन में सोमवार से आईआरएस पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। कार्यक्रम में नगर निगम मेयर सहित डिप्टी मेयर, आयुक्त और सभी विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में अधिकारियों को किसी भी तरह की आपदा के बाद पेश आने वाली स्थिति से निपटने के गुर सिखाए गए।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान दिल्ली से आए विशेषज्ञों ने अधिकारियों को आपदा के बाद किस तरह से रिस्पॉन्स करना चाहिए, इस बारे में जानकारी दी। आपदा से निपटने में नगर निगम की भी बड़ी भूमिका रहती है। इसकी वजह है कि आपदा के बाद शहर में पानी, सीवरेज व भूस्खलन से निपटना नगर निगम के अधिकार क्षेत्र तहत आता है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान नई दिल्ली के सलाहकार अरुण साहदेव ने बताया कि शिमला सिटी भूकंप की अति संवेदनशील है।

शिमला के बचत भवन में आयोजित डिजास्टर मैनेजमेंट की कार्यशाला में उपस्थित नगर निगम के मेयर, डिप्टीमेयर व आयुक्त ।

डिजास्टर मैनेजमेंट की कार्यशाला में उपस्थित अधिकारी।

जरूरी है रिस्पॉन्स सिस्टम

शिमला शहर जोन पांच के तहत आता है। इसलिए अगर कोई आपदा आती है तो इससे निपटने के लिए रिस्पॉन्स सिस्टम जरूरी है। अरुण साहदेव ने कहा कि भूकंप के अलावा भी शिमला में कई तरह की आपदा आ सकती है। इसके लिए जरूरी है कि एक ऐसी टीम का गठन किया जाए तो जिसमें सभी विभागों के अधिकारियों में आपसी तालमेल हो और आपदा के बाद तुरंत रिस्पॉन्स करे। उन्होंने कहा कि अकसर देखा गया है कि विभागों में आपसी तालमेल की कमी से आपदा से निपटने में कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

पूर्व में आपदा के समय ऐसे कई वाकया सामने भी आए हैं, जिनसे सभी को सबक लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इसके लिए आईआरएस के ऐसा सिस्टम है कि जो बड़े डिजास्टर को मैनेज कर सकता है।

इसके तहत विभिन्न विभागों की टीमें काम करती हैं। इसमें हर किसी अपनी भूमिका व जिम्मेवारी तय होती है। कार्यशाला में अगले चार दिनों तक आपदा प्रबंधन को लेकर अधिकारियों को विस्तृत जानकारी दी जाएगी। इसमें विभागाध्यक्ष के अलावा अन्य अधिकारी व पार्षद भी मौजूद रहेंगे।

शिमला : आपदा प्रबंधन पर आयोजित पांच दिवसीय शिविर के समापन अवसर पर मौजूद जिलाधीश दिनेश मल्होत्रा। नगर निगम के महापौर संजय चौहान व अन्य

शिमला ने भी जाना 'आइआरएस'

जागरण संवाद केंद्र, शिमला : राजधानी प्राकृतिक आपदा से आधुनिक तकनीक से निपटने के लिए नगर निगम तैयार है। पांच दिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण लेने के बाद अब देश के अन्य राज्यों के साथ प्रदेश की राजधानी भी आइआरएस (इंसिडेंट रिस्पांस सिस्टम) की आधुनिक तकनीक से किसी भी प्रकार की प्राकृतिक आपदा से निपटने वालों की फेहरिस्त में शामिल हो गई है।

जानकारी के मुताबिक गुजरात, आंध्र प्रदेश, असम व दिल्ली इत्यादि राज्य आइआरएस पर आधारित प्रणाली के जरिए आपदा से निपटने के लिए तैयार हैं। जबकि हिमाचल प्रदेश अब तक पुरानी तकनीक के सहारे ही आपदा से निपटने के प्रबंध कर सका है। मगर शिमला प्रदेश में ऐसी पहली सिटी बन गई है जहां इंसीडेट रिसपोंस सिस्टम पर आधारित प्रबंधन के लिए कर्मचारियों व अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है।

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के समन्वयक अरुण सहदेव ने बताया कि बीते पांच दिन से नगर निगम शिमला के अधिकारियों व कर्मचारियों को आइआरएस प्रणाली के तहत प्रशिक्षित किया गया है। ताकि शहर में किसी भी प्राकृतिक आपदा पर उक्त स्टाफ शहर की जनता के लिए तुरंत बचाव कार्य शुरू कर सके। आइआरएस के तहत पहले से ही सभी अधिकारियों की भूमिका निश्चित की जाती है। प्रत्येक विभाग की जिम्मेदारी आपदा के जोखिम से निपटने की रहती है। शुक्रवार को कार्यशाला के समापन पर बचत भवन में शिमला शहर में भूकंप जैसी आपदा से निपटने का निगम स्टाफ ने पूर्वाभ्यास किया। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही प्रदेश के अन्य जिलों को भी आपदा से निपटने की आधुनिक तकनीक को परिचित करवाएगा।

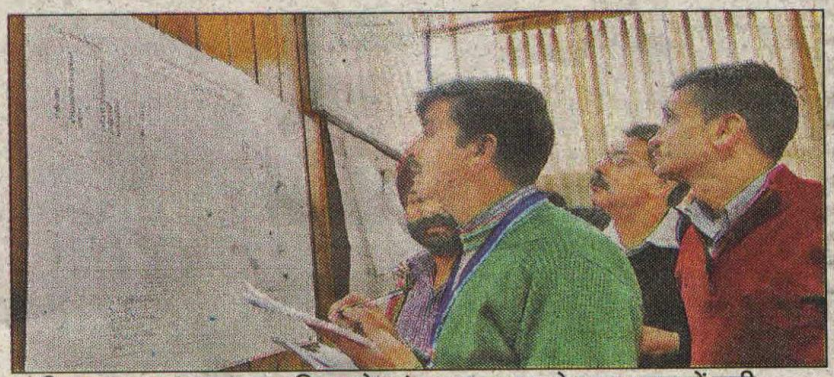

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन व नगर निगम के संयुक्त तत्वाधान से बचत भवन में लगी कार्यशाला में अपनी भागीदारी दिखाते निगम कर्मचारी। जागरण

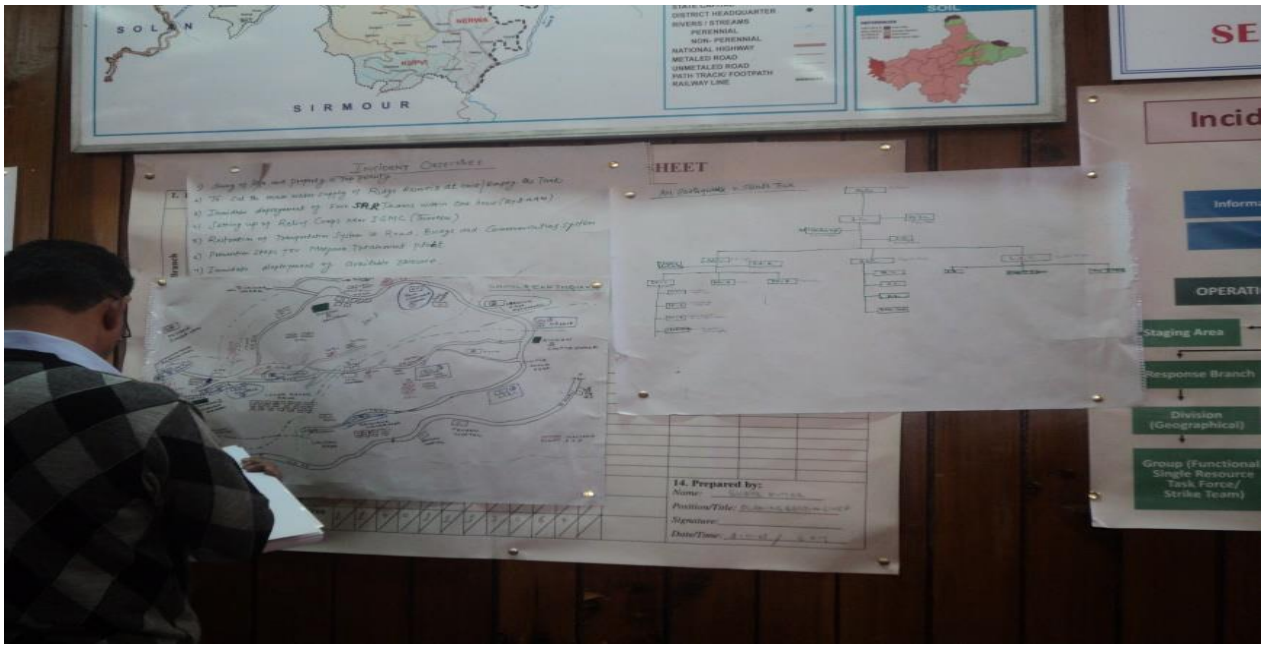

SIRMOUR
DISTRICT HEADQUARTER
RIVERS / STREAMS
PERENNIAL
NON- PERENNIAL
NATIONAL HIGHWAY
METALED ROAD
UNMETALED ROAD
PATH TRACK/ FOOTPATH
RAILWAY LINE
SOIL
Incident Objectives
14. Prepared by:
Name:
Position/Title:
Signature:
Date/Time:
Staging Area
Response Branch
Division (Geographical)

INCIDENT
COMMAND POST